व्याकरण वृक्ष 2

शिक्षक-दर्शिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

भाषा पाठ योजना: 1

आज की अवधारणा

छात्रों को भाषा के बारे में बताना - भाषा की उपयोगिता, भाषा का लिखित रूप और मौखिक रूप। भाषा के बिना कोई भी प्राणी काम नहीं चला सकता। विभिन्न पशु-पक्षियों की बोलियों के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पहले बच्चों को भाषा के बारे में जो भी व्यावहारिक जानकारी मिली है वह उनके माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों, मित्रों और अध्यापकों से सुनकर मिली है। छात्र का इस संबंध में पूर्ववर्ती ज्ञान महत्वपूर्ण परंतु अव्यवस्थित और अनौपचारिक है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा के बारे में सोचने और विचार करने में,
- सुने गए शब्दों को ध्यान से सुनने और लिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ने में,
- विभिन्न पशु-पक्षियों की बोलियों को सुनकर उनके नाम और उनकी बोली को क्या कहते हैं, यह जानने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को यह समझाना कि भाषा की जीवन में कितनी उपयोगिता है,
- लिखित और मौखिक भाषा की अलग-अलग उपयोगिताओं को समझाना,
- विभिन्न पशु-पक्षियों की आवाज़ों के प्रति छात्रों में उत्सुकता उत्पन्न करना और उनकी जानकारी देना,
- छात्रों को यह बताना कि भाषा के बारे में जानने की इस विधा को ही 'व्याकरण' कहते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में भाषा के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

छात्रों को पक्षियों की चहचहाहट या पशुओं बोलियों को सुनवाकर कल्पना करने के लिए कहें कि वे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे।

आती-जाती चींटियाँ एक-दूसरे के कान में क्या कहती हैं? क्या उनकी भी कोई भाषा है जो हम सुन नहीं पाते? छात्रों को इस संबंध में अपनी कल्पना से उत्तर देने के लिए कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध बाल-साहित्य संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर शुद्ध उच्चारण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में भाषा की प्रारंभिक जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को भाषा के संबंधा में बताना। उनमें भाषा के संबंधा में उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को पाठ के चित्रों को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि पिता और पुत्री आपस में जो बात कर रहे हैं, वही भाषा है। • छात्रों को बताएँ कि हम अपनी बात दूसरों तक या तो बोलकर पहुँचा सकते हैं या लिखकर। ये दोनों ही भाषा के रूप हैं जिन्हें मौखिक और लिखित रूप कहा जाता है। • कक्षा के छात्रों को दो विभिन्न चित्र दिखाकर तथा अन्य उदाहरण देकर पूछें कि कहाँ लिखित भाषा का प्रयोग हो रहा है और कहाँ मौखिक भाषा का। • छात्रों को यह भी बताएँ कि मनुष्य के अलावा अन्य सभी जीव-जंतु भी भाषा का प्रयोग करते हैं। यह अलग बात है कि हमें उनकी भाषा समझ नहीं आती। • छात्रों से पूछें कि यदि उन्हें बोलने के लिए मना कर दिया जाए तो वे अपनी बात किस-किस तरीके से कह सकते हैं। • विभिन्न पशु-पक्षियों के बोलियों के नामों के बारे में छात्रों को बताएँ।

पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. भाषा किसे कहते हैं?

....

....

ख. भाषा के चार कौशल कौन-कौन से हैं? बताइए।

....

....

ग. पशु-पक्षी किस प्रकार एक-दूसरे के साथ अपने मन की बात करते हैं?

....

....

2. खाली स्थान भरिए–

क. दूसरे .... हमारी बात समझते हैं।

ख. भाषा के .... रूप होते हैं।

ग. हम .... अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं।

घ. मेंढक .... करता है।

ङ. घोड़ा .... है।

वर्ण और वर्णमाला पाठ योजनाः 2

आज की अवधारणा

- छात्रों को वर्ण और वर्णमाला के प्रयोग के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ कि वर्ण के टुकड़े नहीं किए जा सकते। वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है, इस बात से छात्रों को अवगत कराएँ।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय "भाषा" से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वर्णमाला संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- वर्णों के बारे में सोचने और विचार करने में।
- स्वरों व व्यंजनों का सही उच्चारण करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को वर्णों के भेदों के बारे में समझाना, जैसे-स्वर और व्यंजन।
- छात्रों को वर्णों के टुकड़े नहीं किए जा सकते, इसका ज्ञान कराना।
- छात्रों को यह बताना कि स्वरों को बोलते समय हम दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेते, परंतु व्यंजनों को बोलते समय हम स्वरों की सहायता लेते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों को स्वर और व्यंजन का ज्ञान कराया जाएगा।
- कक्षा को दो वर्गों में विभाजित कर पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी खेलें। उदाहरणार्थ-
- अध्यापक बच्चों को श्यामपट्ट पर कोई शब्द लिखकर दें और छात्रों से पूछें कि इस शब्द में कौन-कौन सी ध्वनियाँ जुड़ी हुई हैं।
- सही उत्तर देने पर छात्र की प्रशंसा की जाए और गलत उत्तर देने पर दूसरे वर्ग के छात्र को बुलाकर सही उत्तर पूछा जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- यूट्यूब पर स्वर व व्यंजनों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वर्णमाला से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- छात्रों को कंप्यूटर कक्ष में ले जाएँ और कंप्यूटर पर इंटरनेट द्वारा स्वरों व व्यंजनों की पहचान करवाएँ।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत अन्य ध्वनियों को जानने संबंधित जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों को चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण करवाएँ। छात्रों से पूछें की इस शब्द में कौन-सी ध्वनि का प्रयोग किया गया है। छात्रों से स्वरों व व्यंजनों की संख्या के बारे में पूछे। • छात्रों को बताएँ कि 35 व्यंजनों के अतिरिक्त 4 संयुक्त व्यंजन भी होते हैं। • छात्रों को बताएँ कि संयुक्त व्यंजन दो-दो व्यंजनो के मेल से बने हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होनें जो सीखा हैं, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. **सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-**

   क. 'भाषा' शब्द की शुद्ध ध्वनि कौन-सी है?

   अ. भ् + आ + ष् + आ ब. भ + आ + ष + आ
   स. भा + आ + ष् + आ

   ख. ध्वनियों के लिखे जाने वाले रूप को क्या कहते हैं?

   अ. स्वर ब. वर्ण स. व्यंजन

ग. हिंदी भाषा के स्वरों की संख्या कितनी है?

अ. 11 ब. 15 स. 14

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. स्वर को परिभाषित कीजिए।

ख. संयुक्त व्यंजन किन्हें कहते हैं?

ग. व्यंजन किसे कहते हैं?

3. सही उत्तर छाँटकर खाली स्थान में भरिए–

क. व्यंजन के नीचे लगा चिह्न .... कहलाता है। (अच्/हल्)

ख. हिंदी में पाँच व्यंजनों का समूह .... कहलाता है। (वर्ग/ग्रुप)

ग. हिंदी भाषा में .... व्यंजन हैं। (34/35)

घ. वर्णों का व्यवस्थित समूह .... कहलाता है। (ज्ञानमाला/वर्णमाला)

ङ. दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन .... व्यंजन कहलाते हैं। (संयुक्त/मूल)

4. दिए गए वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए–

क. प + अ + ह् + अ + च् + आ + न् + अ

ख. ब् + आ + त् + अ + च् + ई + त् + अ

ग. प + अ + र् + इ + च् + इ + त् + अ

घ. व् + य् + अ् + व् + अ् + स् + थ् + इ + त् + अ

ङ. ल् + आ + ज् + अ् + व् + आ + ब् + अ

मात्राएँ, शब्द तथा वाक्य पाठ योजना: 3

आज की अवधारणा

- छात्रों को मात्राओं के प्रयोग के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ की स्वरों का जो रूप व्यंजन के साथ जुड़ता है, वह मात्रा रूप में जुड़ता हैं। छात्रों को विभिन्न प्रकार की मात्राओं से अवगत कराएँ।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय "वर्ण और वर्णमाला" से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में मात्राएँ संबंधी नियमों के प्रति रूचि जागृत होगी और वे समझ होंगे–

- मात्राओं के बारे में सोचने और विचार करने में,
- बोली गई मात्राओं को ध्यान से सुने और लिखित मात्राओं को ध्यान से पढ़ने में।
- विभिन्न प्रकार की मात्राओं को सुनकर उन्हें लिखने का प्रयास करें।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन–पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को यह समझाना कि मात्रओं का उपयोग शब्दों में किस प्रकार किया जाए।
- लिखित और मौखिक रूप से अलग–अलग मात्राओं की उपयोगिताओं को समझाना,
- छात्रों को यह बताना कि मात्राओं का किस प्रकार उपयोग किया जाए यह व्याकरण में ही सिखाया जाता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना। तथा मात्राओं का ज्ञान अच्छे से प्रदान करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक द्वारा छात्रों को विभिन्न प्रकार की मात्राओं से अवगत करवाना।

अध्यापक छात्रों के समक्ष मात्रा संबंधी शब्दों का उच्चारण करे व छात्र उन शब्दों को अपनी–अपनी कॉपी में लिखें। जिस छात्र ने सारे शब्द सही लिखे हो उसके लिए कक्षा में तालियाँ बजवाई जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न मात्राओं से संबंधित पुस्तकें।
- यूट्यूब द्वारा मात्राओं से संबंधित विडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में मात्राओं से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/ आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	अध्यापक कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरूआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं है। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को मात्राओं से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें मात्राओं के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को स्वरों कि मात्राएँ व व्यंजनों की मात्राएँ से अवगत करवाए। उन्हें बताएँ कि व्यंजन में मात्राएँ चारों ओर लगती हैं। • छात्रों को अवगत करवाए कि वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं और शब्दों के मेल से वाक्य बनतें है। • छात्रों से विभिन्न प्रकार की मात्राओं के बारे में पूछे।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों का मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ–

क. समय की अवधि को क्या कहते हैं?

अ. व्यंजन ब. स्वर स. मात्रा

ख. हम आपसी बातचीत में किसका प्रयोग करते हैं?

अ. शब्दों का ब. वाक्यों का स. वर्णों का

ग. वाक्यों से किसका निर्माण होता है?

अ. भाषा का ब. ध्वनियों का स. वर्णमाला का

घ. व्यंजन के नीचे लगने वाली मात्रा कौन-सी है?

अ. ु ब. ी स. ै

संज्ञा

पाठ योजनाः 4

आज की अवधारणा

- छात्रों को संज्ञा के प्रयोग के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ की प्राणी, वस्तु, स्थान तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। छात्रों को विभिन्न स्थानों, वस्तुओं, प्राणियों आदि के नामों से अवगत करवाए।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय 'मात्राएँ' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में संज्ञा संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- संज्ञा के बारे में सोचने और विचार करने में,
- बोले गए नामों को ध्यान से सुने और विचार करें कि वह संज्ञा के कौन से समूह में आते हैं।
- विभिन्न नामों को सुनकर उन्हें अलग-अलग संज्ञा समूहों में विभाजित करें।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य हैं-

- छात्रों का यह समझाना कि, संज्ञा क्या है? संज्ञा का उपयोग किस प्रकार किया जाए?
- लिखित और मौखिक रुप से अलग-अलग संज्ञाओं की उपयोगिताओं को समझाना,
- छात्रों को यह बताना कि संज्ञा को व्याकरण में सिखाया जाता हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों का पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना। संज्ञा का ज्ञान अच्छे से प्रदान करना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों को संज्ञा और उसके विभिन्न समूहों से अवगत करवाना।
- अध्यापक कक्षा में छात्रों के समझ विभिन्न नामों का उच्चारण करें और छात्रों से पूछे कि यह नाम संज्ञा के किस समूह में आएगा। यदि कोई सारे उत्तर सही दें तो उस छात्र की प्रशंसा करी जाए और यदि कोई छात्र गलत उत्तर दे तो उसे संज्ञा पाठ का और अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- यूट्यूब द्वारा संज्ञा से संबंधित विडियों क्लिप्स।
- विद्यालय में संज्ञा से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।
- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध संज्ञा संबंधित व्याकरण की पुस्तकें।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही हैं जो उनके पास पहले से हैं, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को संज्ञा से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें संज्ञा के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को संज्ञा और उसके समूहों से अवगत करवाए। उन्हें बताए कि संज्ञा में भावों के भी नाम होते हैं। जैसे:– मिठास, दर्द, गरमी आदि। • छात्रों को बताए कि हम भावों को छू नहीं सकते, परंतु महसूस कर सकते हैं। • छात्रों को अवगत करवाए कि कुछ नाम ऐसे होते है- जैसेः नदियों के नाम, दिनों के नाम, इमारतों के नाम आदि।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. हम सभी की पहचान किससे होती है?

अ. नाम से   ब. पहनावे से   स. बात करने से

ख. इनमें से कौन-सा नाम किसी दिन का नाम है?

अ. अप्रैल   ब. जनवरी   स. शनिवार

ग. भावों को हम क्या कर सकते हैं?

अ. छू ब. महसूस स. देख

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. संज्ञा किसे कहते हैं?

ख. तीन स्थानों के नाम बताइए?

ग. नाम कई प्रकार के होते हैं; उनमें से कुछ प्रकारों के नाम बताइए।

3. खाली स्थानों में सही संज्ञा शब्द भरिए-

कुर्सी सविता लालकिला फरवरी

क. अजय कल .... देखने गया था।

ख. .... ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ग. .... पर बच्चा बैठा है।

घ. .... सबसे कम दिनों वाला महीना है।

4. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. आप कहाँ रहते हैं?

....

ख. आपकी माताजी का नाम क्या है?

....

ग. अपने विद्‍यालय का नाम बताइए?

....

घ. आपको कौन-सा जानवर प्रिय है?

....

लिंग

पाठ योजनाः 5

आज की अवधारणा

- छात्रों को लिंग के प्रयोग के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ की लिंग दो प्रकार के होते हैं-स्त्रीलिंग और पुल्लिंग। छात्रों को स्त्रीलिंग और पुल्लिंग से अवगत कराएँ।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''संज्ञा'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों से पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में स्त्रीलिंग व पुल्लिंग संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- स्त्रीलिंग व पुल्लिंग के बारे में सोचने और विचार करने में,
- स्त्रीलिंग व पुल्लिंग का सही ज्ञान प्राप्त करने का प्रयत्न करें।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को समझाए कि संज्ञा शब्द स्त्री या पुरुष जाति के होते हैं।
- जिन शब्दों से स्त्री या पुरूष होने का बोध होता है, वे लिंग कहलाते हैं।
- छात्रों को स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों में क्या अंतर होता है इससे अवगत कराएँ।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों स्त्रीलिंग और पुल्लिंग का ज्ञान कराया जाएगा।
- छात्रों के लिए श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखिए और छात्रो से कहे कि वह शब्द अपनी कॉपी में उतारे और उनमें से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दो को अलग-अलग करके लिखें। जो छात्र सारे उत्तर दे उसके लिए तालियाँ बजवाई जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध स्त्रीलिंग, पुल्लिंग से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर स्त्रीलिंग, पुल्लिंग से संबंधित हिंदी व्याकरण में वीडियो क्लिप्स।
- छात्रों को स्त्रीलिंग, पुल्लिंग से संबंधि चार्ट प्रदान कराएँ।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत छात्रों को स्त्रीलिंग व पुल्लिंग शब्दों से अवगत करवाना।	• छात्रों को स्त्रीलिंग और पुल्लिंग के चित्र दिखाकर प्रश्न पूछे कि यह स्त्रीलिंग है अथवा पुल्लिंग। • छात्रों को बताए कि जिन शब्दों से स्त्री या पुरूष होने का पता चलता है वह लिंग कहलाते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का लगाइए लगाएँ-

क. पाठ में कौन अपनी माँ के साथ जा रही है?

अ. लड़का ब. लड़की

ख. पाठ में पिता जी के साथ कौन बात कर रहा है?

अ. लड़का ब. लड़की

ग. पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग किसके प्रकार हैं?

अ. वचन ब. लिंग

घ. 'चाचा जी' शब्द में कौन-सा लिंग है?

अ. पुल्लिंग ब. स्त्रीलिंग स. कोई नहीं

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. लिंग को परिभाषित कीजिए।

....

ग. लिंग कितने प्रकार के होते हैं; उनके नाम बताइए।

....

घ. स्त्रीलिंग शब्द किस जाति का बोध कराते हैं?

....

3. नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य को दोबारा लिखें:-

क. मोरनी नाच उठी।

....

ख. माली ने पौधों को पानी दिया।

....

ग. घोड़ा चने खा रहा था।

....

घ. आज मौसा जी घर आएँगे।

....

4. जोड़े बनाइए:-

क. शेर और – ....

ख. पुरुष और – ....

ग. बैल और – ....

घ. देवी और – ....

ङ. मुर्गा और – ....

वचन पाठ योजना: 6

आज की अवधारणा

- छात्रों को वचन के बारे में बताना-वचन के दो रूप एकवचन बहुवचन।
- शब्दों के बिना कोई भी प्राणी काम नहीं चला सकता। विभिन्न प्रकार के शब्दों के माध्यम से उसकी अभिव्यिक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय 'लिंग' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करे ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में शब्द संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और सक्षम होंगे-

- वचनों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- बोले गए शब्दों को ध्यान से सुनना और लिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ना।
- विभिन्न प्रकार के शब्दों को पढ़कर जानना और उनको समझना कि उनका उपयोग प्रकार किस प्रकार किया
- जाता है।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को यह समझाना कि शब्दों की जीवन में कितनी उपयोगिता है।
- एकवचन और बहुवचन शब्दों की अलग-अलग उपयोगिताओं को समझाना।
- विभिन्न प्रकार के शब्दों की आवाज़ों के प्रति छात्रों में उत्सुकता उत्पन्न करना और उनकी जानकारी देना।
- छात्रों को बताना कि शब्दों के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में एकवचन और बहुवचन शब्दों के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में दो टीम बनाएँ एक टीम के छात्रों को एकवचन के शब्द और दूसरी टीम के छात्रों को बहुवचन के शब्द दे जिससे वह शब्दों का भलीभाँति अभ्यास कर सकें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध व्याकरण संबंधी पुस्तकें पढ़ने को कहना और उसमें से एकवचन और बहुवचन शब्दों का अभ्यास करवाने को कहना।
- यूट्यूब पर शुद्ध उच्चारण संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में एकवचन और बहुवचन शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को तरह-तरह के नामों के समूहों को जानने से संबंधित जानकारी प्रदान करें।	• छात्रों को पाठ में दिए गए चित्रों के द्वारा वचन शब्द का ज्ञान करवाएँ। • छात्रों को बताएँ कि शब्दों के द्वारा ही हम एक दूसरे से बात कर सकते है। • कक्षा में छात्रों को चित्र दिखाकर तथा अन्य उदाहरण देकर पूछें कि कहाँ एकवचन शब्दों का प्रयोग हुआ है और कहाँ बहुवचन शब्दों का प्रयोग हुआ है। • छात्रों से पूछे यदि उन्हें शब्दों का प्रयोग करने से मना कर दिया जाए तो वे अपनी बात किस-किस से कह सकते हैं। • विभिन्न प्रकार के वचन शब्दों के बारे में छात्रों को बताना।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का लगाइए लगाएँ-

क. 'बिल्लियाँ' शब्द में कौन-सा वचन है?

अ. बहुवचन   ब. एकवचन   स. दोनों

ख. 'पत्ता गिर गया'।' वाक्य में रेखांकित शब्द में कौन-सा वचन है?

अ. बहुवचन   ब. एकवचन   स. कोई नही

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. वचन किसे कहते हैं?

ख. बहुवचन से किस चीज़ का बोध होता है?

ग. वचन कितने प्रकार के होते हैं, नाम बताइए।

3. दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।

क. चूड़ी ....   ख. बोतल ....

ग. पेंसिल ....   घ. भैंस ....

ङ. लकड़ी ....

4. कोष्ठक में दिए शब्द का उचित रूप भरकर खाली जगह भरो–

क. .... जा रही हैं। (लड़की/लड़कियाँ)

ख. .... सूख रहा है। (कपड़ा/कपड़े)

ग. .... लड़ रही हैं। (बिल्लियाँ/बिल्ली)

घ. .... उड़ रहे हैं। (गुब्बारा/गुब्बारे)

5. रेखांकित शब्दों के वचन बदलिए–

क. मैंने अपनी आँख बंद कर ली। ....

ख. डॉक्टर ने दवाई लिखकर दी। ....

ग. नीले आसमान में चिड़ियाँ उड़ रही हैं। ....

घ. तालाब में मछली तैर रही है। ....

ङ. मेरे कमरे में पंखा चल रहा है। ....

च. दुकान में मिठाइयाँ सजी हैं। ....

छ. बालिकाएँ विद्यालय जा रही हैं। ....

सर्वनाम पाठ योजनाः 7

आज की अवधारणा

- छात्रों को सर्वनाम शब्दों के बारे में बताना।
- सर्वनाम के एकवचन और बहुवचन रूप। सर्वनाम शब्दों के बिना कोई भी व्यक्ति काम नहीं चला सकता। सर्वनाम शब्दों के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''वचन'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करे ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को किता समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में सर्वनाम संबंधी शब्दों के नियम के प्रति रुचि जागृत होगी और वह सक्षम होंगे।

- सर्वनाम शब्दों के बारे में सोचना और विचार करना।
- बोले गए शब्दों को ध्यान से सुने और लिखित शब्दों को ध्यान से पढ़े।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य हैं-

- छात्रों को यह समझाना कि सर्वनाम शब्दों में कितनी उपयोगिता है।
- सर्वनाम में एकवचन और बहुवचन शब्दों को अलग-अलग करके उनकी उपयोगिताओं को समझाना।
- छात्रों को यह बताना कि सर्वनाम शब्दों का किस प्रकार उपयोग किया जाना ही व्याकरण कहलाता है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को सर्वनाम नियमों के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को नई उड़ान देना।

गतिविधियाँ

छात्रों को कक्षा में अपने से बड़े से कैसे बात कि जाती है उन्हें सिखाए साथ-ही-साथ सर्वनाम शब्दों का किस प्रकार उपयोग किया जाता है वह भी बताएँ।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध व्याकरण संबंधी पुस्तके पढ़े और उनमें से सर्वनाम शब्दों का प्रयास करें।
- यूट्यूब पर सर्वनाम संबंधी वीडियों क्लिप्स देखे।
- विद्यालय में सर्वनाम संबंधी शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को सर्वनाम संबंधी शब्दों को बताना। तथा उनमें उत्युकता जागृत करना।	• छात्रों को पाठ के चित्रों को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि बड़ो से किस प्रकार बात की जाती है। • कक्षा में छात्रों को दो विभिन्न चित्र दिखाकर तथा अन्य उदाहरण देकर पूछें कि कहाँ एकवचन शब्दों का प्रयोग होता है और कहाँ पर बहुवचन शब्दों का प्रयोग होता है। • छात्रों से पूछें कि यदि उन्हें बिना सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किए बिना बात करने को कहे तो वह तरीके से बात करेंगे। • छात्रों को सर्वनाम में उपयोग होने वाले सभी शब्दों का उपयोग किस प्रकार किया जाता है वह सब बताएँ।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का लगाइए लगाएँ-

क. सर्वनाम शब्द किन शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं?

अ. वचन   ब. विशेषण   स. संज्ञा

ख. ‘आप’ शब्द क्या है?

अ. स्वर   ब. सर्वनाम   स. लिंग

ग. ‘वे चले गए।’ वाक्य में सर्वनाम शब्द कौन-सा है?

अ. गए   ब. वे   स. चले

2. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरिए–

क. .... कक्षा दो की छात्रा हूँ। (हम/मैं)

ख. कविता को .... बैग पकड़ा दो। (वह/मैंने)

ग. .... क्या कर रहे हो। (तुम्हारे/तुम)

घ. .... अपना कार्य पूरा कर लिया। (मैं/मैंने)

ङ. .... कार्य स्वयं करना चाहिए। (अपना/अपने)

च. .... बहन मुझसे दो वर्ष छोटी है। (मैं/मेरी)

3. संज्ञा अथवा नाम के स्थान पर प्रयोग किए गए शब्दों को रेखांकित कीजिए।

क. आपने अपना कार्य पूरा क्यों नहीं किया?

ख. उसका घर पश्चिम दिशा की ओर है।

ग. तुमने अपना नया घर बनवा लिया।

घ. आप कब आएँगे।

ङ. तुम्हें अब घर चलना चाहिए।

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम शब्द किसके लिए आए हैं, लिखिए–

क. बिल्ली ने दूध पिया और वह वहीं सो गई। बिल्ली के लिए

ख. शिवानी ने पेंसिल देखकर कहा – रूचि, इसे दिखाना। ....

ग. माता ने बेटे से कहा – मैं तुम्हारे लिए मिठाई लाई हूँ। ....

घ. राधिका ने सोनम से कहा – तुम क्या कर रहे हो। ....

ङ. स्नेहा ने अपने भाई से कहा, उस दरवाजे को बंद कर दो। ....

च. शीतल ने माताजी से पिताजी के लिए पूछा – वे कब आएँगे। ....

विशेषण पाठ योजनाः 8

आज की अवधारणा

छात्रों को विशेषण शब्दों कि उपयोगिता के बारे में बताना। विशेषण शब्दों कि विशेषता के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''सर्वनाम'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करे ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विशेषण संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विशेषण शब्दों के बारे में सोचना और विचार करना।
- बाले गए शब्दों को ध्यान से सुनना और लिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ना।
- विभिन्न प्रकार शब्दों को सुनकर उनकी विशषता बताने का प्रयास करे।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन–पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को बताएँ की संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते है।
- विशेषण में आकार, नाप–तौल, अच्छा, बुरा रंग आदि की अलग–अलग उपयोगिताओं को समझाना।
- विभिन्न प्रकार के उदाहरण द्वारा विशेषण की जानकारी देना।
- विशेषण की व्याकरण में अधिक भूमिका निभाई जाती है। यही विधा व्याकरण कहलाती है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में विशेषण के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में छात्रों के दो समूह बनाएँ उनमे एक समूह दूसरे समूह को शब्द देगा और दूसरा समूह उन शब्द की विशेषता बताएगा जिससे छात्र विशेषण को भलिभाँति समझ पाएगा।

विशेषण में किस प्रकार प्रश्न बनाने के लिए शब्दों का प्रयोग किया जाता है। छात्रों को इस संबंध में अपनी कल्पना से उत्तर देने के लिए कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध व्याकरण संबंधी पुस्तकें देखना और उनमें से विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों का चुनाव करना।
- यूट्यूब पर विशेषण संबंधी वीडियो क्लिप्स को देखना।
- विद्यालय में विशेषण की प्रारंभिक जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: छात्रों को विशेषण संबंधी शब्दों को बताना। तथा उनमें उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को पाठ के चित्रों को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि कौन-सी विशेषता किस शब्द के साथ बताई गई है। • कक्षा के छात्रों को विभिन्न चित्र दिखाकर तथा अन्य उदाहरण देकर पूछें कि कौन-कौन सा शब्द-किसकी विशेषता बतलाता है। • विभिन्न प्रकार के विशेषण शब्दो के बारे में छात्रों को बताना।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

ख. 'राहुल बहुत चालाक है।' वाक्य में विशेषण शब्द कौन-सा है?

अ. बहुत   ब. चालाक   स. राहुल

ग. पाठ में फ्रॉक की विशेषता उसका किस रंग का होना है?

अ. लाल   ब. नीला   स. पीला

2. निम्न संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने वाले दो-दो विशेषण लिखिए:-

क. पेड़ – .... , ...

ख. मोहन – .... , ...

ग. लड़की – .... , ...

घ. बिल्ली – .... , ...

ङ. माला – .... , ...

3. अपने विद्यालय में देखकर बताइए–

क. फर्नीचर का रंग कैसा है? ....

ख. आपकी विद्यालय की दीवारों का रंग कैसा है? ....

ग. श्यामपट्ट (Blackboard) का रंग कैसा है? ....

घ. आपके विद्यालय में कितने कक्ष हैं? ....

क्रिया पाठ योजनाः 9

आज की अवधारणा

- छात्रों को क्रिया के प्रयोग के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ की जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चलें, उन्हें किया कहते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''लिंग'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों से पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में क्रिया संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- क्रिया के बारे में सोचने और विचार करने में,
- क्रियाओं का सही ज्ञान प्राप्त करने का प्रयत्न करें।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य हैं–

- अपने दैनिक जीवन में विभिन्न प्रकार के कार्यो द्वारा क्रिया का आत्मसातीकरण करना।
- छात्रों को क्रिया क्या होती हैं इससे अवगत कराना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक द्वारा छात्रों को स्वर और व्यंजनों का ज्ञान कराया जाएगा।
कक्षा को दो वर्गो में विभाजित कर पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी खेलें।
उदाहरणार्थ–अध्यापक कुछ वाक्य बोले और दोनों वर्गो से प्रश्न करें कि इस वाक्य में क्रिया क्या हैं? जो वर्ग सबसे पहले सही उत्तर दे उसके लिए तालियाँ बजवाई जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध क्रिया संबंधित व्याकरण कि विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर क्रिया संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- क्रिया संबंधित चार्ट पेपर उपलब्ध कराए।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य: पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढने के उपरांत अन्य क्रियाओं को जानने संबंधी जिज्ञासा उत्पन्न कराना।	• छात्रों से क्रिया संबंधी प्रश्न पूछे कि वह अपने दैनिक जीवन में क्या-क्या क्रियाएँ करता हैं। • अध्यापक छात्रों को बताए कि किसी काम का करना या होना बताने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. क्रिया शब्दों से क्या पता चलता है?

अ. कार्य का होना ब. किसी का रोना स. किसी का बोलना

ख. 'प्रभात खेल रहा है' इस वाक्य में कौन-सी क्रिया हो रही है?

अ. भागने की ब. गाने की स. खेलने की

ग. 'मोनिका हँस रही है' वाक्य में कौन-सी क्रिया हो रही है?

अ. हँसने की ब. पढ़ने की स. चलने की

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर बताइए कि वाक्यों में कौन-कौन सी क्रियाएँ हो रही हैं-

क. मैं विद्यालय में पढ़ती हूँ।

ख. अध्यापक के प्रश्नों का उत्तर देती हूँ।

ग. खेल की कक्षा में खेलती हूँ।

घ. अध्यापक से अपने कठिन प्रश्नों के उत्तर पूछती हूँ

ङ. अपनी कॉपी में लिखती हूँ।

3. नीचे लिखी क्रियाओं का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क. बहना – ख. नाचना – ग. चलना – घ. गिरना –

गिनती पाठ योजना: 10

आज की अवधारणा

छात्रों को गणना के बारे में बताना कि किस प्रकार वे किसी भी वस्तु को संज्ञा के आधार पर गिन सकते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

पूर्व में पढ़ाए गए व्याकरण के विषयों से संबंधित प्रश्न पूछना। इससे अध्यापक छात्रों के पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करके यह ज्ञात करें कि उन्होंने पूर्व पढ़े गए विषयों को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् छात्रों की गणना करने में रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- सोच–विचार करके गणना करने में,
- सुनी गई गिनती के शब्दों को ध्यान से सुनने और उन्हें अंकों में लिखने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन–पाठन का उद्देश्य हैं–

- छात्रों को दिन–प्रतिदिन के लेखा–जोखा में गिनती की उपयोगिता बताना।
- गिनती को बोलने और लिखने में दक्ष करना।
- दैनिक जीवन में गिनती का प्रयोग करना सिखना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों का गिनती के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके उन्हें शब्दों में अधिक–से–अधिक सीखने की दिशा में अग्रसित करना।

गतिविधियाँ

छात्रों को कक्षा में मौजूद वस्तुओं को देखकर उनकी संख्या पहचानने को कहें तथा शब्दों में लिखने हेतु प्रेरित करें।

अध्यापक कक्षा में छात्रों को कोई भी गिनती बोलें तथा छात्र उन्हें शब्दों में लिखकर दिखाएँ।

पाठ–विस्तार

शिक्षण सामग्री

- गिनती का अंकों तथा शब्दों में बना चार्ट पेपर।
- यूट्यूब पर गिनती को शब्दों में लिखने संबंधी वीडियों क्लिप्स।
- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध गणना की अंकों एवं शब्दों संबंधी पुस्तकें।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक नए विषय 'गिनती' से की जाएगी। उन्हें आज की अवधारणा से परिचित कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को गिनती को अंकों से शब्दों में परिवर्तित करना सिखाना तथा इस संबंध में उनकी उत्सुकता को बढ़ाना ताकि वे अधिक-से-अधिक सीख सकें।	• छात्रों को चित्रों को देखकर गिनती को शब्दों में पढ़ाते हुए उनका ज्ञान कराना। • छात्रों को इसका ज्ञान कराएँ कि गिनती को अंकों के साथ-साथ शब्दों में भी लिखा जाता है। • छात्रों को वस्तुओं के चित्र दिखाकर श्यामपट्ट पर उनकी गिनती पहचानते हुए शब्दों में लिखवाएँ। • अपने दैनिक जीवन में आप गिनती का प्रयोग किस-किस प्रकार से करते हैं, इसके बारे में पूछें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होनें जो सीखा हैं, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ-

क. अठारह से पहले क्या आता है?

अ. पंद्रह ब. सत्रह स. तेरह

ख. 'उन्नीस' को अंकों में क्या लिखा जाता है?

अ. 19 ब. XIX स. 09

ग. ग्यारह के बाद क्या आता है?

अ. दस ब. तेरह स. बारह

घ. '16' को शब्दों में क्या लिखा जाता है?

अ. सत्रह ब. सोलह स. अठारह

2. हिंदी अंकों/शब्दों में गिनती लिखकर खाली स्थान भरें।

क. कक्षा में 19 .... लड़कियाँ हैं।

ख. मेरे संयुक्त परिवार में बारह .... लोग रहते हैं।

ग. कक्षा में 5 .... खिड़कियाँ हैं।

घ. वृक्ष पर चौदह .... पक्षी बैठे हैं।

ङ. 18 को शब्दों में .... लिखा जाता है।

3. संख्या के नामों का मिलान अंकों से कीजिए:-

उन्नीस	6
नौ	20
बारह	19
बीस	9
छह	12

4. निम्नलिखित संख्याओं को शब्दों में लिखिए:-

18 ....   8 ....

11 ....   15 ....

17 ....

दिन, सप्ताह, माह, वर्ष   पाठ योजनाः 11

आज की अवधारणा

छात्रों को दिन, सप्ताह, माह वर्ष आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताना।

कैलेंडर के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''गिनती' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों से पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में दिन, सप्ताह, माह वर्ष आदि के बारे में रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- छात्रों को दिन, सप्ताह, माह वर्ष के बारे में जानकारी देना।
- छात्रों को बताओ कि एक दिन कितने घंटो से मिलकर बनता है।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को बताएँ कि एक साल में कितने माह होते है। ताकि वह भाँलिभाँति जान सके।
- हर माह में आने वाले त्योंहारो के बारे में छात्रों को बताना।
- छात्रों को यह बताना कि हर माह में कितने दिन होते है जिससे उनमें जानकारी बढ़ेगी।

लक्ष्य कौशल

आने वाले दिनों की योजना बनाकर उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में छात्रों से माह में आने वाले सभी त्यौहारों के बारे में पूछना ताकि उन्हें सभी त्यौहार व माह की जानकारी हो सके।

कक्षा में सभी छात्रों से आने वाले दिनों की योजना बनाने को कहना और आप उनसे पूछना की वह आने वाले दिनों में समय का सदुपयोग किस तरह करेंगे?

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय में छात्रों को कैलेंडर देखने के लिए प्रेरित करना।

- यूट्यूब पर त्यौहारों को देखकर कैलेंडर पर चिह्न लगाना।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को दिन, माह, वर्ष के संबंध में जानकारी देना। व उनमें उत्सुकता जागृत करना।	• छात्रों को पाठ में आए दिन, सप्ताह, माह और वर्ष के बारे में बताना तथा उन्हें एक सप्ताह, एक माह, और एक वर्ष में जितने दिन होते है उनसे अवगत करवाना। • अध्यापक कक्षा में त्योहारों के नाम बोले और पूछे कि वो किस माह में आते है ताकि वह त्योहार को भाँलिभाँति जान सके। • छात्रों से पूछे कि यदि दिन नहीं होते तो वह अपने प्रत्येक दिन की दिनचर्या को कैसे याद रखते? • छात्रों को माह के नाम हिंदी में याद करवाना।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाएँ।

क. 'सप्त' का अर्थ क्या होता है?

अ. आठ   ब. सात   स. छह

ख. एक दिन में कितने घंटे होते हैं?

अ. 24   ब. 21   स. 22

ग. फरवरी में कितने साल बाद एक दिन बढ़ जाता है?

अ. 2 साल बाद   ब. 6 साल बाद   स. 4 साल बाद

घ. बारह महीनों को मिलाकर क्या बनता है?

अ. एक साल   ब. एक सप्ताह   स. एक दिन

2. खाली स्थान भरिए–

क. नवंबर के बाद .... आता है।

ख. स्वतंत्रता दिवस .... माह में मनाया जाता है।

ग. सप्ताह .... दिनों से मिलकर बनता है।

घ. सबसे कम दिनों वाला महीना .... है।

ङ. गरमी की छुट्टियाँ .... महीने में होती हैं।

च. साल का पहला महीना .... होता है।

छ. सप्ताह का आखिरी दिन .... होता है।

3. साल के बारह महीनों में से कुछ महीनों के नाम टिन्नी नाम की चुहिया कुतरकर खा गई, उन्हें रिक्त स्थान में भरिए:–

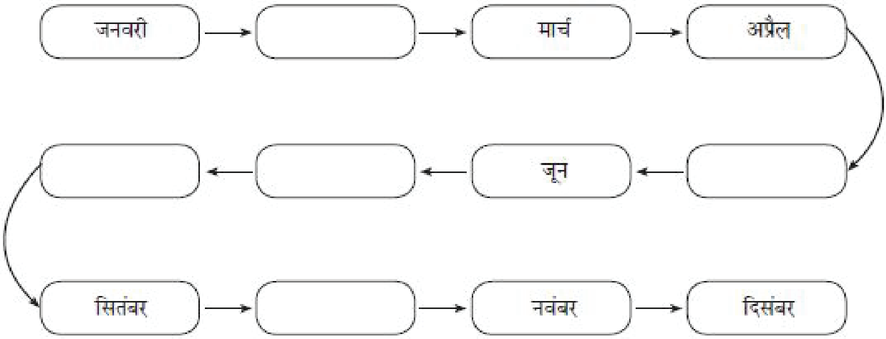

कहानी-लेखन पाठ योजना: 12

आज की अवधारणा

- छात्रों को कहानी–लेखन की उपयोगिता बताना।
- विभिन्न प्रकार की कहानियों के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए गए व्याकरण के विषय ''दिन, सप्ताह, माह, वर्ष से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों से पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में कहानी के संबंधी नियमों के प्रति रूचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- कहानी के बारे में सोचना और विचार करना।
- बोली गई कहानी के शब्दों को ध्यान से सुनना।
- विभिन्न प्रकार की कहानियों के बारे में छात्रों को जानकारी देना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन–पाठन का उद्देश्य है–

- दिए गए संकेतो के आधार पर कहानी को पूरा करना।
- कहानी के तत्व की उपयोगिता को समझाना।
- विभिन्न प्रकार की कहानियों में छात्रों की उत्सुकता उत्पन्न करना और उनको जानकारी देना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में कहानी के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

कक्षा में छात्रों के अलग–अलग समूह बनाएँ हर समूह को एक–एक कहानी का विषय दे। हर समूह से एक बच्चा आएगा और कहानी सुनाएगा। इस गतिविधि के अंतर्गत बच्चे कहानी को भतिभाँति समझ पाएँगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध कहानी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर कहानी संबंधी वीडियो क्लिप्स को देखना।
- विद्यालय में कहानी की प्रारंभिक जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को कहानी के संबंध में बताना तथा उनकी उत्सुकता जागृत करना।	• अध्यापक छात्रों को कहानी स्पष्ट रूप से समझाएं। • कक्षा के छात्रों को तरह-तरह के विषय पर कहानी लिखने को कहे और उनसे पूछे की उनको उस कहानी से क्या-क्या शिक्षा मिली? • छात्रों से पूछें कि यदि उन्हें अपनी कल्पना से कहानी लिखने को दी जाए तो वह कौन से विषय कहानी लिखेंगे? • विभिन्न तरह के कहानियों के बारे में छात्रों को बताना।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए शब्दों से निम्नलिखित कहानी को पूरा कीजिए-

हाथी और बंदर

हाथी	चिढ़ाया	मित्रता	बंदर	माफी	अच्छे	पकड़कर	फेंक	घुमाकर
बचाओ	दया	गुस्सा	निकाल	चिढ़ाने	मुँह	लंबी	कान	पैर

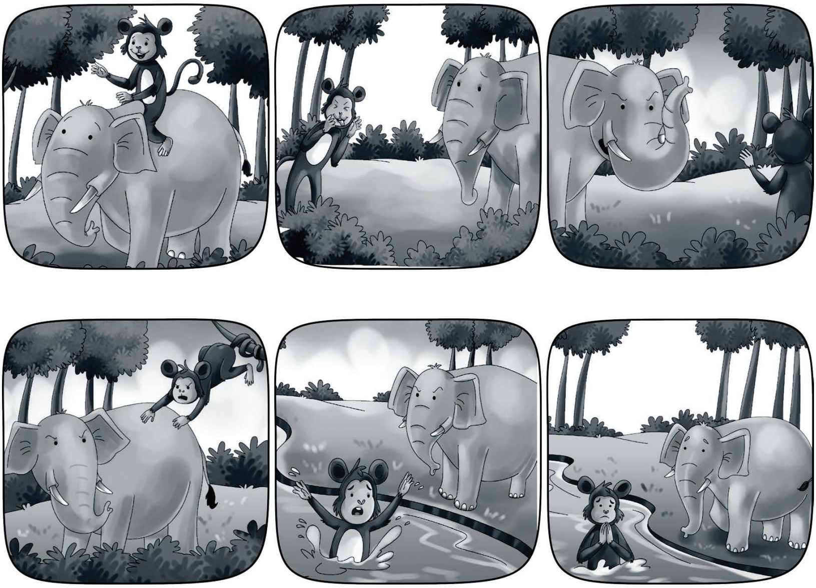

एक .... था जिसका मित्र .... था। लेकिन एक दिन दोनों की .... टूट गई तो हाथी और बंदर अलग-अलग हो गए। एक दिन बंदर ने हाथी को ....। वह बोला- '......................सूंड सूपा जैसे ...., मोटे-मोटे ....।' यह सुनकर हाथी को ....आया तो वह भी बंदर को .... लगा- 'इतनी लंबी पूँछ, काले .... का बंदर।'

यह सुनकर बंदर को भी गुस्सा आया और उसने हाथी के ऊपर अपने .... नाखून गड़ा दिए। इस पर हाथी ने उसको सूंड से .... गोल-गोल .... नदी में .... दिया, तो बंदर चिल्लाने लगा- हाथी मुझे ....। हाथी को बंदर पर ....आ गई और उसे पानी से बाहर .... दिया।

बंदर ने हाथी से .... मांगी, मुझे माफ कर दो। हाथी ने बंदर को माफ कर दिया और दोनों फिर से .... से रहने लग गए।

चित्र-वर्णन पाठ योजनाः 13

आज की अवधारणा

छात्रों को चित्र-वर्णन की उपयोगिता के बारे में बताना।

चित्र-वर्णन में चित्र के बिना कहानी लिखना असंभव है। विभिन्न प्रकार के चित्र-वर्णन के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व कक्षा में पढ़ाए व्याकरण के विषय ''कहानी-लेखन'' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों से पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा हैं।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में चित्र-वर्णन संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- चित्र वर्णन के बारे में सोचना और विचार करना।
- दिए गए चित्र को ध्यान से देखना और कहानी लिखना।
- छात्रों की चित्र-वर्णन के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करना और उनको जानकारी देना।
- छात्रों को यह बताना कि चित्र वर्णन के बारे में जानने की इस विधा को ही 'व्याकरण' कहते है।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में चित्र-वर्णन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को नई उड़ान देना।

गतिविधियाँ

अध्यापक श्यामपट्ट पर एक चित्र बनाएँ और चित्र पर छात्र से एक-एक वाक्य बनाने को कहे। जिससे छात्र चित्र-वर्णन को अच्छे से समझ पाएँगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध चित्र-वर्णन पुस्तकें देखे।
- यूट्यूब पर चित्र-वर्णन से संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में चित्र-वर्णन की प्रारंभिक जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को चित्र-वर्णन कहानी के बारे में बताना तथा उनमें उत्सुकता जागृत करना।	• कक्षा में छात्रों को चित्र-वर्णन स्पष्ट करते हुए कहानी लिखना सिखाए। • कक्षा में छात्रों को चित्र दिखाकर उनसे उस कहानी के बारे में पूछे। और उस पर कुछ वाक्य लिखने को दे। • छात्रों से पूछे यदि उन्हें बिना चित्र दिखाए कहानी लिखने को कहे तो वह किस कल्पना के आधार पर कहानी लिखेंगे। • विभिन्न तरह के चित्र-वर्णन के बारे में छात्रों को बताए।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्यः अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

क. दिए गए चित्र को देखकर चित्र-वर्णन कीजिएः-	**ख. दिए गए चित्र को देखकर चित्र-वर्णन कीजिएः-**